Bachelor of Arts (B.A.) Fourth Semester Examination

SOCIOLOGY (Indian Sociological Tradition)

(Optional)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **All** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

1. Discuss Ambedkar's Economic, Social and Political Criticism on Caste System.

OR

Explain Ghurye's views on characteristics of Caste.

2. Explain Tarabai Shinde's views on Women's Status in India.

OR

Describe Savitribai Phule's approach to Women's Education in India.

3. Write short answers :

(a) Shrinivas's views on dominant caste.

(b) Historical dialecticism as stated by D.P. Mukherjee.

OR

(c) How Sanskritization leads to Social Change ?

(d) D.P. Mukherjee's views on Indian tradition.

4. Write short answers :

(a) R.K. Mukherjee's views on values in Indian Society.

(b) S.C. Dubey's views on the role of values in modernity.

OR

(c) R.K. Mukherjee's views on Personality and Change.

(d) Dubey's approach to social change in Indian Society.

5. Write short notes on the following :

(a) Imitation as a factor of development of caste.

(b) Emergence of Sub-Caste

(c) Economy as a character of dominant caste.

(d) Caste mobility is an effect of Sanskritization.

(e) Dialectics in Indian History.

(f) Values and Social Change.

(g) Modernity in Indian Society.

(h) Tarabai Shinde on patriarchy.

Bachelor of Arts (B.A.) Fourth Semester Examination

SOCIOLOGY (Indian Sociological Tradition)

(Optional)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **All** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(मराठी माध्यम)

1. जाती व्यवस्थेवर आंबेडकरप्रणीत आर्थिक, सामाजिक आणि राजकीय समीक्षेची चर्चा करा.

किंवा

जातीच्या वैशिष्ट्यांवर घुर्येचा दृष्टिकोण स्पष्ट करा.

2. भारतात स्त्रीयांच्या दर्जावर ताराबाई शिंदेचा दृष्टिकोण स्पष्ट करा.

किंवा

भारतातील स्त्रीयांच्या शिक्षणाप्रती सावित्रीबाई फुंलेच्या दृष्टिकोणाचे वर्णन करा.

3. संक्षिप्त उत्तरे लिहा :

(अ) प्रभुत्वशाली जातींवर श्रीनिवास यांचा दृष्टिकोण.

(ब) डी.पी. मुखर्जी द्वारा प्रतिपादीत ऐतीहासिक द्वंद्ववाद.

किंवा

(क) संस्कृतीकरण सामाजिक परिवर्तनाला कसे समोर घेउन जाते ?

(ड) भारतीय पंरपरेवर डी.पी. मुखर्जीचा दृष्टिकोण.

4. थोडक्यात उत्तरे लिहा :

(अ) भारतीय समाजातील मुल्यांवर आर.के. मुखर्जीचा दृष्टिकोण.

(ब) आधुनिकतेत मुल्याच्या भुमिकेवर एस.सी. दुबेंचा दृष्टिकोण.

किंवा

(क) व्यक्तीमत्व आणि परिवर्तन यावर आर.के. मुखर्जीचा दृष्टिकोण.

(ड) भारतीय समाजातील सामाजीक परिवर्तनावर दुबेचां दृष्टिकोण.

5. खालीलपैकी प्रत्येक घटकांवर संक्षिप्त उत्तरे लिहा :

(अ) जातीच्या विकासाच्या घटकाच्या रूपात अनुकरण.

(ब) उपजातीचा उदय.

(क) प्रभुत्वशाली जातीच्या वैशिष्ट्यांच्या रूपात अर्थव्यवस्था.

(ड) जाती गतिशिलता ही सस्कृंतीकरणा परिणाम आहे.

(इ) भारतीय इतिहासात द्वंद.

(फ) मुल्ये आणि सामाजिक परिवर्तन.

(ग) भारतीय समाजात आधुनिकता.

(ह) पुरुष सत्तेवर ताराबाई शिंदेचे विचार.

Bachelor of Arts (B.A.) Fourth Semester Examination

SOCIOLOGY (Indian Sociological Tradition)

(Optional)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **All** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(हिन्दी माध्यम)

1. जाति व्यवस्था पर आंबेडकर प्रणित आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक समीक्षा की चर्चा कीजिए।

अथवा

जाति की विशेषताओं पर घुर्ये का दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

2. भारत में महिलाओं की प्रस्थिति पर ताराबाई शिंदे का दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारत में महिला शिक्षा के प्रति सावित्री बाई फुले के दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।

3. संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(अ) प्रभुत्वशाली जाति पर श्रीनिवास का दृष्टिकोण।

(ब) डी.पी. मुखर्जी द्वारा प्रतिपादित ऐतिहासिक द्वंद्ववाद।

अथवा

(क) संस्कृतिकरण सामाजिक परिवर्तन को कैसे आगे ले जाता है ?

(ड) भारतीय परंपरा पर डी.पी. मुखर्जी का दृष्टिकोण।

4. संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(अ) भारतीय समाज के मूल्यों पर आर.के. मुखर्जी का दृष्टिकोण।

(ब) आधुनिकता में मूल्यों की भूमिका पर एस.सी. दुबे का दृष्टिकोण।

अथवा

(क) व्यक्तित्व एवं परिवर्तन पर आर.के. मुखर्जी का दृष्टिकोण।

(ड) भारतीय समाज में सामाजिक परिवर्तन पर दुबे का दृष्टिकोण।

5. निम्नलिखित प्रत्येक इकाई पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(अ) जाति के विकास के कारक के रूप में अनुकरण।

(ब) उपजाति का उद्‌भव।

(क) प्रभुत्वशाली जाति के विशेषताओं के रूप में अर्थव्यवस्था।

(ड) जाति-गतिशिलता यह संस्कृतिकरण का परिणाम है।

(इ) भारतीय इतिहास में द्वंद्व।

(फ) मूल्य एवं सामाजिक परिवर्तन।

(ग) भारतीय समाज में आधुनिकता।

(ह) पुरुषसत्ता पर ताराबाई शिंदे के विचार।